चीनी में बिकवाली से कमा सकते हैं मुनाफा

फायदे की बात

चीनी का पिछला स्टॉक 88 लाख टन का है और अनुमान है कि नये पेराई सीजन में उत्पादन 250 लाख टन होगा। देश में चीनी की सालाना खपत 235-240 लाख टन है। आपूर्ति अधिक होने से कीमतों में गिरावट की है संभावना

एनसीडीईएक्स पर नवंबर महीने के वायदा अनुबंध में महीने भर में चीनी की कीमतों में 3.7 फीसदी की गिरावट आई है। नवंबर महीने के वायदा अनुबंध में 12 सितंबर को चीनी का भाव 3,005 रुपये प्रति क्विंटल था जबकि 18 अक्टूबर को इसका भाव घटकर 2,893 रुपये प्रति क्विंटल रह गया

अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी के दाम नीचे बने हुए है। दिसंबर महीने के वायदा अनुबंध में व्हाइट चीनी का दाम शुक्रवार को 506 डॉलर प्रति टन रहा। चीनी पर आयात शुल्क कम होने की वजह से देश में रॉ-शुगर का आयात हो रहा है

आर एस राणा ◆ नई दिल्ली

अक्टूबर से शुरू हुए नए पेराई सीजन में चीनी का उत्पादन 250 लाख टन होने का अनुमान है जबकि बकाया करीब 88 लाख टन चीनी का स्टॉक बचा हुआ है। ऐसे में चीनी की कुल उपलब्धता चालू पेराई सीजन 2013-14 (अक्टूबर से सितंबर) में 338 लाख टन की होगी। देश में चीनी की सालाना खपत लगभग 235-240 लाख टन की होती है। ऐसे में चीनी की मौजूदा कीमतों में गिरावट की ही संभावना है इसलिए निवेशक मौजूदा कीमतों पर बिकवाली करके मुनाफा कमा सकते हैं।

एनसीडीईएक्स पर नवंबर महीने के वायदा अनुबंध में महीने भर में चीनी की कीमतों में 3.7 फीसदी की गिरावट आई है। नवंबर महीने के वायदा अनुबंध में 12 सितंबर को चीनी का भाव 3,005 रुपये प्रति क्विंटल था जबकि 18 अक्टूबर को इसका भाव घटकर 2,893 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। ब्रोकिंग फर्म इंडिया बुल्स कमोडिटी लिमिटेड के असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट रिसर्च (कमोडिटी) बद्दरुदीन खान ने बताया कि चालू पेराई सीजन में चीनी का बकाया स्टॉक पिछले साल की तुलना में ज्यादा है। पिछले साल अक्टूबर महीने में 61 लाख टन चीनी का बकाया स्टॉक बचा हुआ था जबकि चालू पेराई सीजन के शुरू में 88 लाख टन का बचा हुआ है।

नया सीजन शुरू हो चुका है जबकि उत्तर प्रदेश की चीनी मिलों पर पुराने पेराई सीजन का ही किसानों का करीब 2,400 रुपये करोड़ अभी भी बकाया है। ऐसे में मिलों पर बकाया भुगतान का दबाव है जिसकी वजह से मिलों की बिकवाली बढ़ी हुई है, इसलिए चीनी की कीमतों में और गिरावट आ सकती है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के अनुसार चालू पेराई सीजन में चीनी का उत्पादन 250 लाख टन होने का अनुमान है जबकि चीनी की सालाना खपत 235 लाख टन की ही होती है। बकाया स्टॉक और उत्पादन को मिलाकर नए पेराई सीजन में चीनी की कुल उपलब्धता 338 लाख टन की होगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी के दाम नीचे बने हुए है। दिसंबर महीने के वायदा अनुबंध में व्हाइट चीनी का दाम शुक्रवार को 506 डॉलर प्रति टन रहा। विदेशी बाजार में भाव कम होने से निर्यात से भी अपेक्षित लाभ नहीं हो रहा है। उल्टा चीनी पर आयात शुल्क कम होने की वजह से देश में रॉ-शुगर का आयात हो रहा है। चीनी के आयात पर इस समय केवल 15 फीसदी का ही आयात शुल्क है। इसीलिए घरेलू बाजार में चीनी की कीमतों में लगातार गिरावट बनी हुई है।

एसएनबी इंटरप्राइजेज के प्रबंधक सुधीर भालोटिया ने बताया कि महाराष्ट्र की मिलों के पास चीनी का बकाया स्टॉक ज्यादा है जिसकी वजह से मिलों की बिकवाली बराबर बनी हुई है। महाराष्ट्र में चीनी के दाम एक्स-फैक्ट्री दाम घटकर शुक्रवार को 2,650 रुपये प्रति क्विंटल रह गए है। इसका असर उत्तर भारत में दिख रहा है। उत्तर प्रदेश में चीनी के एक्स-फैक्ट्री दाम शुक्रवार को घटकर 2,900 से 3,025 रुपये प्रति क्विंटल रह गए। दिल्ली थोक बाजार में इस दौरान चीनी के दाम घटकर 3,150 से 3,200 रुपये प्रति क्विंटल रह गए। महीने भर में इनकी कीमतों में करीब 100 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट आ चुकी है।

Business Bhaskar